प्रतिदर्श प्रश्न पत्र–III

Subject – Hindi Elective (हिन्दी ऐच्छिक)

कक्षा–XI

समय: 3 घण्टे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

(1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(2) प्रश्नों के अंक उनके सामने अंकित हैं।

खण्ड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 10

जीवन में हमें वही प्राप्त होता है जो हम जीवन को देते हैं, यह एक स्वयंसिद्ध तथ्य है। कर्म का सिद्धान्त भी इसी सत्य का उद्घाअन करता है कि जैसा हम बीजते हैं वैसा ही काटते हैं। इसलिए हमें सादा जीवन उच्च विचार रखने की प्रेरणा दी जाती है। साधारणतः लोग सादे जीवन का यह अर्थ मान लेते हैं कि उन्हें अपनी आवश्यकताएँ कम करके जीना चाहिए। जबकि सत्य यह है कि रोटी, कपड़ा और मकान ये तो जीवन की मूलभूत आवश्यकताएँ हैं। इन्हें कम नहीं किया जा सकता। जीवन की सादगी का अर्थ यह है कि वह आडम्बरहीन, छल–प्रपंच से रहित व वास्तविकता पर आधारित हो। जीवन में सादगी के आगमन से अपने आप शुचिता आ जाती है और शुचिता के समावेश से जीवन में उच्च विचारों का प्रवेश निर्बाध होने लगता है। ऊँचे विचार जीवन की गाड़ी की यात्रा को सुगम बना देते हैं। जहाँ उच्च विचार होते हैं वहाँ विकास व समृद्धि के द्वार खुल जाते हैं। ऊँचे विचारों से युक्त व्यक्ति जीवन की कठिन परिस्थितियों को स्वीकार करते हुए उसमें से ऐसा मार्ग चयन कर लेता है जो आनन्द और उत्साह से परिपूर्ण हो।

क) सादा जीवन से क्या अभिप्राय है? 2

ख) सादा जीवन जीने से क्या लाभ प्राप्त होता है? 2

ग) उच्च विचारों से ओत–प्रोत व्यक्ति की क्या विशेषता होती है? 2

घ) ऊँचे विचारों से जीवन–यात्रा सुगम कैसे हो जाती है? 2

ड़) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

https://www.evidyarthi.in

च) कर्म का सिद्धांत क्या है? 1

छ) शुचिता, आडम्बरहीन–उपसर्ग / प्रत्यय अलग करें। 1

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1x5=5

न पुरूषार्थ बिना वह स्वर्ग है,
न पुरूषार्थ बिना अपवर्ग है।
न पुरूषार्थ बिना क्रियता कहीं,
न पुरूषार्थ बिना प्रियता कहीं।
सफलता वर–तुल्य वरो, उठो
पुरूष हो पुरूषार्थ करो, उठो।
न जिसमें कुछ पौरूष हो यहाँ –
सफलता वह पा सकता कहाँ ?
अपुरूषार्थ भयंकर पाप है,
न उसमें यश है न प्रताप है।
न कृमि–कीट समान करो, उठो
पुरूष हो पुरूषार्थ करो, उठो।।

क) इस काव्यांश में मानव को क्या प्रेरणा दी गई है?

ख) अपुरूषार्थ भयंकर पाप है–कैसे?

ग) सफलता वर–तुल्य वरो, उठो–इस पंक्ति के माध्यम से कवि क्या स्पष्ट करना चाहता है?

घ) पुरूषार्थ करने के क्या लाभ है?

ड़) काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

खण्ड 'ख'

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए – 8

क) स्वच्छ भारत अभियान

ख) देश की प्रगति में युवावर्ग का योगदान

ग) विज्ञापनों का आधुनिक जीवन पर प्रभाव

घ) जीवन में खेलों का महत्व।

4. पुलिस अधीक्षक को लाउडस्पीकर के कारण उत्पन्न कठिनाइयों का वर्णन करते हुए शिकायती–पत्र लिखिए। 5

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in

अथवा

बैंक ऑफ इण्डिया को कार्यालय सहायकों की आवश्यकता है। बैंक प्रबन्धक को इस पद के लिए आवेदन–पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 1x4=4

क) एनी फ्रेंक की डायरी मूल रूप से किस भाषा में लिखी गई है?

ख) पटकथा की मूल इकाई क्या है?

ग) समाचार क्या है?

घ) रेडियो किस प्रकार का जनसंचार माध्यम है?

6. आधुनिक जनसंचार माध्यमों के उपयोग से उत्पन्न खतरों का उल्लेख कीजिए। 3

अथवा

रेजिडेंट्स वेलफेयर सोसायटी दयानन्द विहार की कार्यकारिणी समिति की बैठक के चुनाव के लिए कार्य सूची बनाइए।

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 6

जाग तुझको दूर जाना।
चिर सजग आँखें उनींदी आज कैसा व्यस्त बाना।
जाग तुझको दूर जाना।
अचल हिमगिरि के हृदय में आज चाहे कंप हो ले,
या प्रलय के आँसुओं में मौन अलसित व्योम रो लें,
आज पी आलोक को डोले तिमिर की घोर छाया,
जागकर विद्युत–शिखाओं में निठुर तूफान बोले।
पर तुझे है नाशपथ पर चिह्न अपने छोड़ आना
जाग तुझको दूर जाना।

अथवा

झहरि–झहरि झीनी बूँद हैं परति मानो,
घहरि–घहरि घटा घेरी है गगन में।
आनि कह्यो स्याम मो सौ 'चलौ झूलिबे को आज'
फूली न समानी भई ऐसी हौं मगन मैं।।

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in

चाहत उठ्योई उठि गई सो निगोड़ी नींद,
सोए गए भाग मेरे जानि वा जगन में।
आँख खोलि देखौं तौ न घन हैं, न घनश्याम
वेई छाई बूँदें मेरे आँसु है दृगन में।

8. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2x2=4

क) सूरदास जी द्वारा कृष्ण के अधरों की तुलना सेज से क्यों की गई है?

ख) संध्या के बाद कविता के आधार पर लाला के मन में उठने वाली दुविधा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

ग) कस्तूरी मृग के अपने ऊपर चिढ़ने का क्या कारण है?

9. किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य–सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए – 3+3=6

क) जागृति नहीं अनिद्रा मेरी, नहीं गई भव–निशा अंधेरी।

ख) माँ की आँखें पड़ाव से पहले ही तीर्थ यात्रा की बस में दो पंचर पहिए हैं।

ग) बालम आओ हमारे गेह रे, तुम बिन दुखिया देह रे।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 5

और ये गूँगे......... अनेक–अनेक हो संसार में भिन्न–भिन्न रूपों में छा गए हैं जो कहना चाहते हैं, पर कह नहीं पाते। जिनके हृदय की प्रतिहिंसा न्याय और अन्याय को परखकर भी अत्याचार को चुनौती नहीं दे सकती क्योंकि बोलने के लिए स्वर होकर भी स्वर में अर्थ नहीं है........ क्योंकि वे असमर्थ हैं।

अथवा

साँझ होते ही सारा माहौल भाँय–भाँय करने लगता था। दिन भर के थके हारे मज़दूर अपने–अपने दड़बों में घुस जाते थे। साँप–बिच्छू का डर लगा रहता था। जैसे समूचा जंगल झोंपड़ी के दरवाज़े पर आकर खड़ा हो गया है। ऐसे माहौल में मानो का जी घबराने लगता था। लेकिन करे भी तो क्या! न जाने कितनी बार सुक्रिया से कहा था मानो ने, ''अपने देश की सूखी रोटी भी परदेश के पकवानों से अच्छी होती है।''

11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 3+3=6

क) ज्योतिबा फुले व सावित्री बाई का दाम्पत्य जीवन किस प्रकार आधुनिक दम्पत्तियों को प्रेरणा प्रदान करता है?

ख) 'उसकी माँ' कहानी के आधार पर लाल का चरित्र–चित्रण कीजिए।

https://www.evidyarthi.in

ग) 'जिस प्रकार ट्रेन बिना इंजन के नहीं चल सकती, ठीक उसी प्रकार हिन्दुस्तानियों को चलाने वाला कोई हो' इस पंक्ति से लेखक भारतेन्दु हरिशचन्द्र ने अपने देश की खराबियों के मूल कारण खोजने को क्यों कहा है?

12. 'देव' अथवा 'नरेन्द्र शर्मा' के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी किन्हीं दो काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 5

अथवा

'भारतेन्द्र हरिशचन्द्र' या 'रांगेय राघव' के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषागत शैली की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

13. 'पराया घर तो लगता ही है भाभी' अपने भाई–भाभी के कमरे में श्याम को पराये–पन का अहसास क्यों होता है? श्याम की भाभी के घर में सफाई रखने वाले कार्य से आपको क्या प्रेरणा मिलती है? 4

अथवा

दादा की मौत के बाद मकबूल को कहाँ और क्यों छोड़ा जाता है? वहाँ उसकी दोस्ती किन–किन के साथ होती है? उन छः दोस्तों की घनिष्ठ मित्रता से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?

14. क) "पिता का यह अधूरा–पन भी उसकी प्रेरक शक्ति बन गया।" 'अवारा मसीहा' के लेखक ने ऐसा क्यों कहा? 4+4=8

ख) कला के प्रति लोगों का नज़रिया पहले कैसा था? उसमें अब क्या बदलाव आया है?

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in